Department of Political Science
MA Political Science, Sem-I, Internal Assessment, February 2022

PS-C 104: Themes in Indian Political Thought

PS-C 104: भारतीय राजनीतिक चिंतन के कथ्य

Date: 04.02.2022

Time: 1 hr. समय: 1 घंटे

Maximum Marks: 30 पूर्णांक: 30

Important Instructions:

1. *Attempt **any one** question; all questions carry equal marks.*
2. *The question paper is for 1 hour. 40 minutes extra is provided for scanning and attaching files.*
3. *Answers must be handwritten, scanned and sent in PDF form only via email to **2022tipt@gmail.com***
4. *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*
5. *Write your name, college name, admission form no, etc. on the first page. Mention the question number that you have attempted. Write page number on all pages.*

महत्वपूर्ण निर्देश:

1. ***किसी एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए; सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*
2. *यह प्रश्न-पत्र 1 घंटे का है। 40 मिनट का अतिरिक्त समय उत्तर को स्कैन करने और उस फाइल को संलग्न करने के लिए दिया जा रहा है।*
3. *उत्तर हस्तलिखित होना चाहिए। इसे स्कैन कर एक पीडीएफ के रूप में ई-मेल के माध्यम से केवल यहाँ भेजना है: **2022tipt@gmail.com***
4. *इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी अथवा हिंदी, किसी एक भाषा में दीजिए; परंतु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*
5. *अपने उत्तर के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, महाविद्यालय का नाम, प्रवेश पत्रांक, इत्यादि लिखिए। जिस प्रश्न का उत्तर आपने दिया है, वह प्रश्न संख्या प्रथम पृष्ठ पर लिखिए। प्रत्येक पृष्ठ पर पृष्ठ संख्या लिखिए।*

---

1. Do you agree with the argument that Rammohan Roy laid the foundation for the liberal-reformist modernisation of India? Give reasons for your answer.

क्या आप इस तर्क से सहमत हैं कि राममोहन रॉय ने भारत के उदारवादी-सुधारवादी आधुनिकीकरण की नींव रखी? अपने उत्तर के लिए कारण दीजिए।

2. For Gandhi, 'Democracy was not merely procedural but also substantive'. Discuss the relevance of this statement in contemporary times with suitable examples.

गाँधी के लिए 'लोकतंत्र प्रक्रियात्मक मात्र ही नहीं अपितु अस्तित्व-सूचक भी था'। उचित उदाहरणों के साथ समकालीन समय में इस कथन की प्रासंगिकता की विवेचना कीजिए।